Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to increase salary of vocational trainers employed in government schools in Delhi -laid.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली): मैं सरकार का ध्यान 2015 से दिल्ली के 334 सरकारी स्कूलों में कार्यरत 725 वोकेशनल ट्रेनरों को उचित वेतन न मिलने के कारण वोकेशनल ट्रेनरों की दयनीय स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। Skill Development के अंतर्गत ये शिक्षक स्कूलों में IT (Information and Technology), Beauty and Wellness, Travel and Tourism, Banking and Financial Services, Electrical Technology, Physical Education, Retail, Healthcare 31 Security Trade में ट्रेनिंग देने का काम करते हैं। हजारों बच्चों को इनकी वजह से बडी बडी MNC Companies में नौकरी मिली हैं। दिल्ली सरकार इन विषयों से होने वाले लाभ का जिक्र तो हमेशा करती है, परन्तु इन शिक्षकों को सही वेतन नहीं देती है और एक तरह से उनका शोषण कर रही है। वोकेशनल ट्रेनरों की सैलरी 2015 में बीस हजार रुपये निर्धारित हुई थी, जो कि अभी तक 6 साल से स्थिर बनी हुई है। परन्तु हकीकत में उनको मात्र सोलह हजार रुपए के लगभग सैलरी मिलती है। आज के समय में जो unskilled Worker के न्यूनतम वेतन के समान भी नहीं हैं। वोकेशनल ट्रेनरों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को इस विषय में कई बार ज्ञापन दिया पर किसी ने भी इस बात का संज्ञान नहीं लिया है। कॉन्ट्रेक्ट एजेंसियों के माध्यम से जैसे अभी कछ लोग आढतियों से पैसा खाकर किसानों के नाम पर अपनी दुकान चलाने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे ही उसी पैटर्न पर बिचौलियों के द्वारा वेतन देते हैं सोलह हजार और चार हजार रुपए बीच में ही खा जाते हैं। हर साल लगभग ढाई से तीन करोड़ रूपए का घोटाला हो रहा है। केजरीवाल द्वारा अपने चहेतों को कॉन्ट्रैक्ट देकर उनका शोषण किया जा रहा है। माननीय उप राज्यपाल महोदय इस मामले में संज्ञान लें और इनको न्याय दिलाने की कोशिश करें। परमानेंट

कर्मचारियों को बोनस मिलता है, इन्हें न्यूनतम वेतन भी नहीं मिल रहा है। इनको सभी सुविधाओं से अलग रखा गया है और इनका शोषण किया जा रहा है। आने वाले समय में ये इस लायक भी नहीं रहेंगे कि कहीं सरकारी या अच्छी जगह नौकरी कर सकें। इनके जीवन को लटकाया जा रहा है। मेरा संवेदनहीन दिल्ली के मुख्यमंत्री से निवेदन है कि वोकेशनल ट्रेनरों की सैलरी को जल्द से जल्द बढ़ाया जाए जिससे वो भी सम्मानपूर्वक अपना जीवन जी सके।